

SMT. L. BOMBAYLA DEVI

Smt. L. Bombayla Devi is a renowned archer. She is the only woman archer who represented India in the 3 consecutive Olympic Games- Beijing Olympic Games, 2008, London Olympic Games, 2012 and Rio Olympic Games, 2016.

2. Born on February 22, 1985, Smt. L. Bombayla Devi received her Bachelor Degree in Arts stream from Manipur University in 2015. She started learning the game of archery at the early age from her mother who was serving as an Archery Coach in the Department of Youth Affairs and Sports, Government of Manipur.

3. Since 2006, Smt. L. Bombayla Devi has been representing India in various International Archery Championships/Competitions including Asian, Commonwealth and World Cup Archery Championships held at different parts of the Globe such as 1st Asian Archery Championship 2006, held at Dhaka in February, 2006 (Individual Bronze Team Gold); International Archery Challenge Cup, at London in August, 2007 (Gold); 3rd Asian Archery Grand Prix, in October 2007 at Iran (Individual Gold Team Gold); 5th Asian Circuit Archery Meet at Dhaka, Bangladesh, in October 2009 (Individual Bronze Team Gold); Asian Grand Prix at Bangkok, 2012 Individual (Bronze); 3rd World Cup at Columbia, 2013 (Team Gold); 4th World Cup at Poland, 2013 (Team Gold); Asian Championship at Taiwan, 2013 (Individual Bronze) etc.

4. Smt. L. Bombayla Devi is the recipient of Arjuna Award in 2012.

श्रीमती एल. बोम्बैल्या देवी



श्रीमती एल. बोम्बैल्या देवी एक सुप्रसिद्ध तीरंदाज हैं। आप ऐसी एकमात्र महिला तीरंदाज हैं जिन्होंने लगातार तीन ओलंपिक खेलों– बीजिंग ओलंपिक खेल 2008, लंदन ओलंपिक खेल 2012, रियो ओलंपिक खेल 2016 में भारत का प्रतिनिधित्व किया।

2. आपका जन्म 22 फरवरी, 1985 में हुआ था। आपने मणिपुर विश्वविद्यालय से वर्ष 2015 में कला स्नातक की डिग्री प्राप्त की। आपने छोटी आयु में ही तीरंदाजी का खेल अपनी मां से सीखना शुरू कर दिया था जो मणिपुर राज्य सरकार के युवा कार्य एवं खेल विभाग में तीरंदाजी कोच के रूप में अपनी सेवाएं दे रही थीं।

3. वर्ष 2006 से ही श्रीमती एल. बोमबैल्या देवी विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय तीरंदाजी चैंपियनशिप/प्रतियोगिताओं, जिनमें फरवरी, 2006 में ढाका में आयोजित पहली एशियन आर्चरी चैंपियनशिप, 2006 (एकल कांस्य; टीम स्वर्ण); अगस्त, 2007 में लंदन में अयोजित इंटरनेशनल आर्चरी चैलेंज कप (स्वर्ण); ईरान में अक्तूबर, 2007 में आयोजित तीसरी एशियन आर्चरी ग्रैंड प्रिक्स (एकल स्वर्ण; टीम स्वर्ण); अक्तूबर, 2009 में ढाका, बंगलादेश में आयोजित पांचवीं एशियन सर्किट आर्चरी मीट (एकल कांस्य; टीम स्वर्ण); वर्ष 2012 में बैंकॉक में आयोजित एशियन ग्रैंड प्रिक्स (एकल कांस्य); वर्ष 2013 में कोलंबिया में तीसरा वर्ल्ड कप (टीम स्वर्ण); वर्ष 2013 में पोलैंड में चौथा वर्ल्ड कप (टीम स्वर्ण); वर्ष 2013 में ताईवान में एशियन चैम्पियनशिप (व्यक्तिगत कांस्य) इत्यादि जैसी विश्व में विभिन्न स्थानों पर आयोजित एशियन, कॉमनवेल्थ तथा वर्ल्ड कप तीरंदाजी प्रतियोगिताएं शामिल हैं,में भारत का प्रतिनिधित्व करती रहीं हैं।

4. आपको वर्ष 2012 में अर्जुन पुरस्कार से नवाजा गया है।